दिनाँक :- 11-07-2020

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा।

लेखक का नाम :- डॉ० फ़ारूक आज़म (अतिथि शिक्षक)

स्नातक :- 11th (ऐच्छिक विषय)

विषय :- प्रतिष्ठा इतिहास

इकाई :- प्रथम

पत्र :- प्रथम

अध्याय :- समय की शुरुआत से

आस्ट्रेलोपिथिकस, ओल्डुवेई गोर्ज की खोज 17 जुलाई 1959

ओल्डुवेई गोर्ज (पृ०-14) सर्वप्रथम बीसवीं सदी के प्रारं-

भिक वर्षों में एक जर्मन तितली संग्राहक द्वारा खोजा

गया था. लेकिन आगे चलकर यह ओल्डुवेई नाम मैरी

और लुईस लीकी के साथ गहराई से जुड़ गया जिन्होंने

यहाँ 40 वर्ष से भी अधिक समय तक शोधकार्य

किया था मेरी लीकी ने ही ओल्डुवई और लैतोली में पुरातत्वीय खुदाई कार्यों की देखभाल की थी और यहां की गई अनेक रोमांचक खोजों में उसका हाथ रहा था लुईस लीकी ने इस अद्भुत खोज का वर्णन इस प्रकार किया है:

उस दिन सवेरे जब मैं उठा तो मुझे सिर में दर्द और हलका बुखार महसूस हो रहा था। इच्छा तो नहीं थी पर मुझे शिविर में ही रहना पड़ा। चूँकि हम दोनों में से मैं काम पर नहीं जा रहा था इसलिए मेरी के लिए काम पर जाना जरूरी हो गया। हमें अपना काम पूरा करने के लिए सिर्फ सात सप्ताह का ही समय मिला था जो जल्दी-जल्दी बीत रहा था। इसलिए मेरी अपने दोनों कुत्तों - सैली और टूट्स - के साथ खुदाई पर चली गई और

मै बेचैन होकर पीछे शिविर मे रह गया।

कुछ समय बाद, शायद मेरी झपकी टूटी तो मैंने लैंड-रोवर की आवाज सुनी। वह बड़ी तेजी से शिविर की ओर आ रही थी। मुझे पल भर के लिए एक सपना सा आ गया, मुझे लगा कि मेरे को किसी जहरीले बिच्छू ने काट लिया है। वहाँ सैकड़ो की तादाद मे बिच्छू थे, अथवा किसी साँप ने डस लिया है जो कुत्तो की नजर से बच निकला होगा।

लैंड रोवरी गाडी खड़खड़ाहट के साथ रुकी। और मैंने कई बार मेरी की आवाज सुनी, वह बार-बार पुकार रही थी: मैंने उसे पा लिया! मैंने उसे पा लिया। मैं अब भी सिरदर्द से लड़खड़ा रहा था मैं उसका मतलब नही समझ पाया मैंने पूछा अरे, क्या हुआ? क्या पा लिया? क्या चोट खा बैठी? मेरी ने कहा,

लगभग 25 लाख वर्ष पहले, ध्रुवीय हिमाच्छन्द से (हिम युग के प्रारंभ में) जब पृथ्वी के बड़े-बड़े भाग बर्फ से ढक गए तो जलवायु तथा वनस्पति की स्थिति में बड़े-बड़े परिवर्तन आए। तापमान और वर्षा में कमी हो जाने के कारण, जंगल कम हो गए और घास के मैदानों का क्षेत्रफल बढ़ गया जिसके परिणामस्वरूप आस्ट्रेलोपिथिकस के प्रारंभिक रूप (जो जंगलों में रहने के आदि थे) धीरे-धीरे लुप्त हो गए और उनके स्थान पर उनकी दूसरी प्रजातियाँ आ गई जो सूखी परिस्थितियों में आराम से रह सकती थी। इनमें जीनस होमो के सबसे पुराने प्रतिनिधि शामिल थे।

होमो लतिनी भाषा का एक शब्द है जिसका अर्थ है 'आदमी' यद्यपि इसमें पुरुष और स्त्री दोनों

Scanned with CamScanner

दोनो शामिल है। वैज्ञानिको ने होमो को कई प्रजातियो मे बाँटा है और इन प्रजातियो को उनकी विशेषताओ के अनुसार अलग-अलग नाम दिए है। इस प्रकार जीव रूपो को होमो हैबिलिस (औजार बनाने वाले) होमो एरेक्टस (सीधे खड़े होकर पैरो के बल चलने वाले) और होमो सैपियंस (प्राज्ञ या चिंतनशील मनुष्य) के रूप मे वर्गीकृत किया गया है।
होमो हैबिलिस के जीवाश्म इथियोपिया मे ओमो और तंजानिया मे ओल्डुवई गोर्ज (Olduvai Gorge) से प्राप्त किए गए है। यथा- कूबीफोरा और पश्चिमी तुर्काना केन्या। मोड़जोकर्ती और संगारीन जावा। एशिया मे पाए गए जीवाश्म अफ्रीका मे पाए गए जीवाश्मो की तुलना मे परवर्ती काल के है, इसलिए यह अधिक संभव है कि होमीनिड पूर्वी अफ्रीका से चलकर दक्षिणी

और उत्तरी अफ्रीका, दक्षिणी तथा पूर्वोत्तर एशिया और शायद यूरोप में भी 20 से 15 लाख वर्ष पहले गए थे प्रजातियाँ लगभग दस लाख वर्ष पहले तक जीवित रहीं। कुछ दृष्टांतों में जीवाश्मों का नामकरण उन स्थानों के आधार पर किया गया है जहाँ उस विशेष प्रकार के जीवाश्म सर्वप्रथम मिले थे। जैसे कि जर्मनी के शहर हाइडलबर्ग में पाए गए जीवाश्मों को होमो हाइडलबर्गेसिस कहा गया जबकि निअंडर घाटी में पाए गए जीवाश्मों को होमो निअंडरथलैंसिस श्रेणी में रखा गया। यूरोप में मिले सबसे पुराने जीवाश्म होमो हाइडलबर्गेसिस और होमो निअंडरथलैंसिस के हैं। ये दोनों ही होमो सैपियंस (आधुनिक मानव) प्रजाति के हैं। हाइडलबर्ग मानव (8 लाख वर्ष से 1 लाख वर्ष पूर्व दूर दूर तक फैले हुए थे। उनके जीवाश्म अफ्रीका एशिय

और यूरोप में पाए गए हैं। निअंडरथल मानव मोटे तौर पर 130,000 से 35,000 वर्ष पहले तक यूरोप पश्चिमी और मध्य एशिया में रहा करते थे। वे पश्चिमी यूरोप में लगभग 35,000 वर्ष पहले अचानक विलुप्त हो गए सामान्यतः आस्ट्रेलोपिथिकस की तुलना में होमो का मस्तिष्क बड़ा होता था; जबड़े बाहर की ओर कम निकले हुए थे और दाँत छोटे होते थे उनमें मस्तिष्क के आकार में वृद्धि को अधिक बुद्धिमता और बेहतर याददाश्त से जोड़ा जाता है। जबड़ों तथा दाँतों में हुआ परिवर्तन संभवतः उनके खान पान में हुई भिन्नता से संबंधित था।

विश्व में मानव प्रजातियों का निवास

50 से 10 लाख वर्ष पूर्व अफ्रीका में सहारा के आसपास के प्रदेश आस्ट्रेलोपिथिकस प्रारंभिक होमो, होमो इरेक्टस

10 लाख से 50 हजार वर्ष पूर्व अफ्रीका, एशिया और यूरोप के मध्य-अक्षांश क्षेत्र।

Scanned with CamScanner